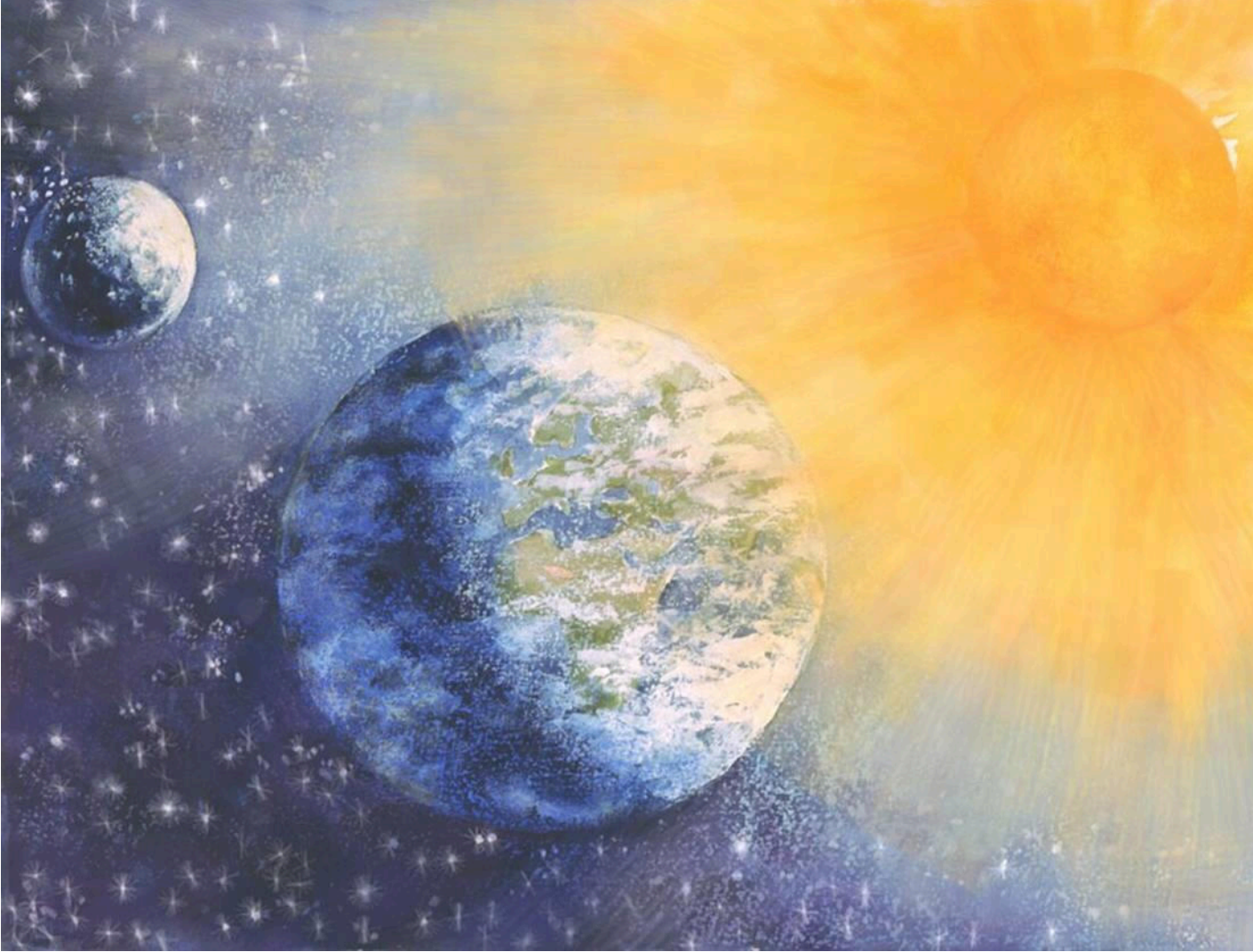


परमेश्वरेइ पुरी दुनिया चाणी



bangani

परमेश्वरेइ पुरी दुनिया चाणी

bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book
Red level book

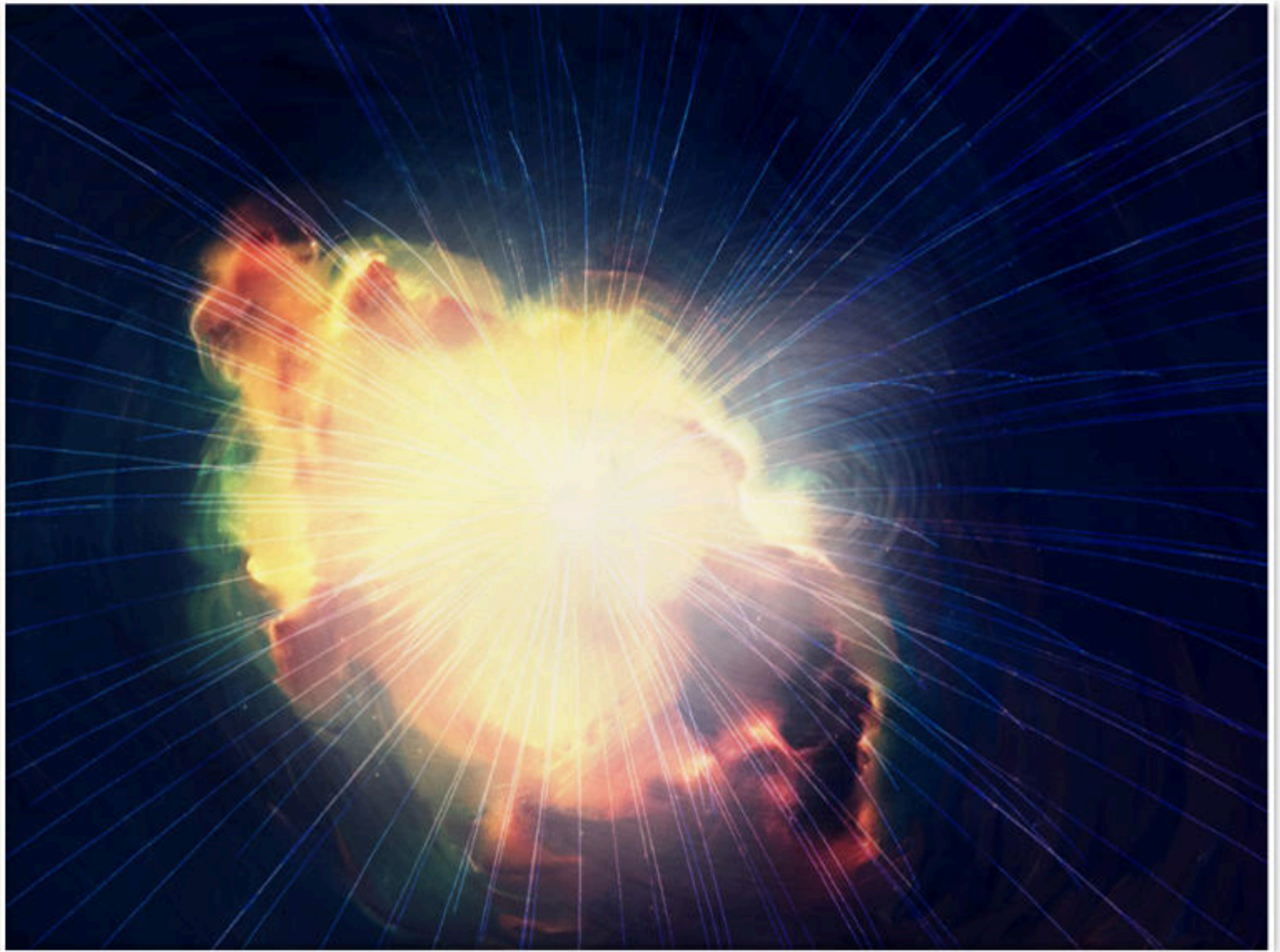
परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें परमेश्वर ने पूरी सृष्टि की रचना कैसे की, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



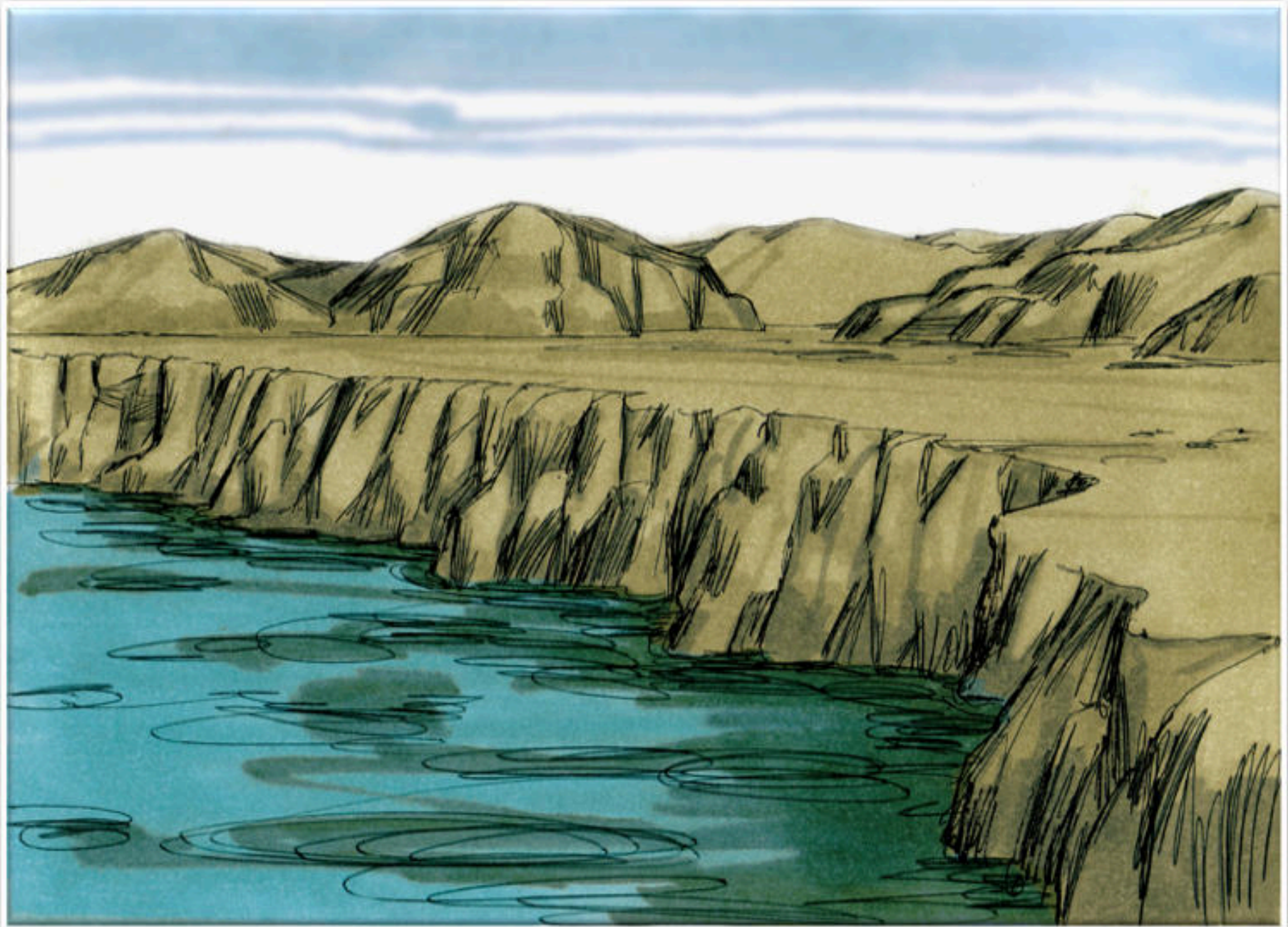
सारिउं कौइ औगौणिकै परमेश्वरेइ गौइण
औज़ि दौरती चाणी। सेजै बौक्तेदि दौरती
उबड़ खाबड़ औज़ि शुनशान थी। औज़ि
परमेश्वर री आत्मा पाणि माइं फिरै थी।



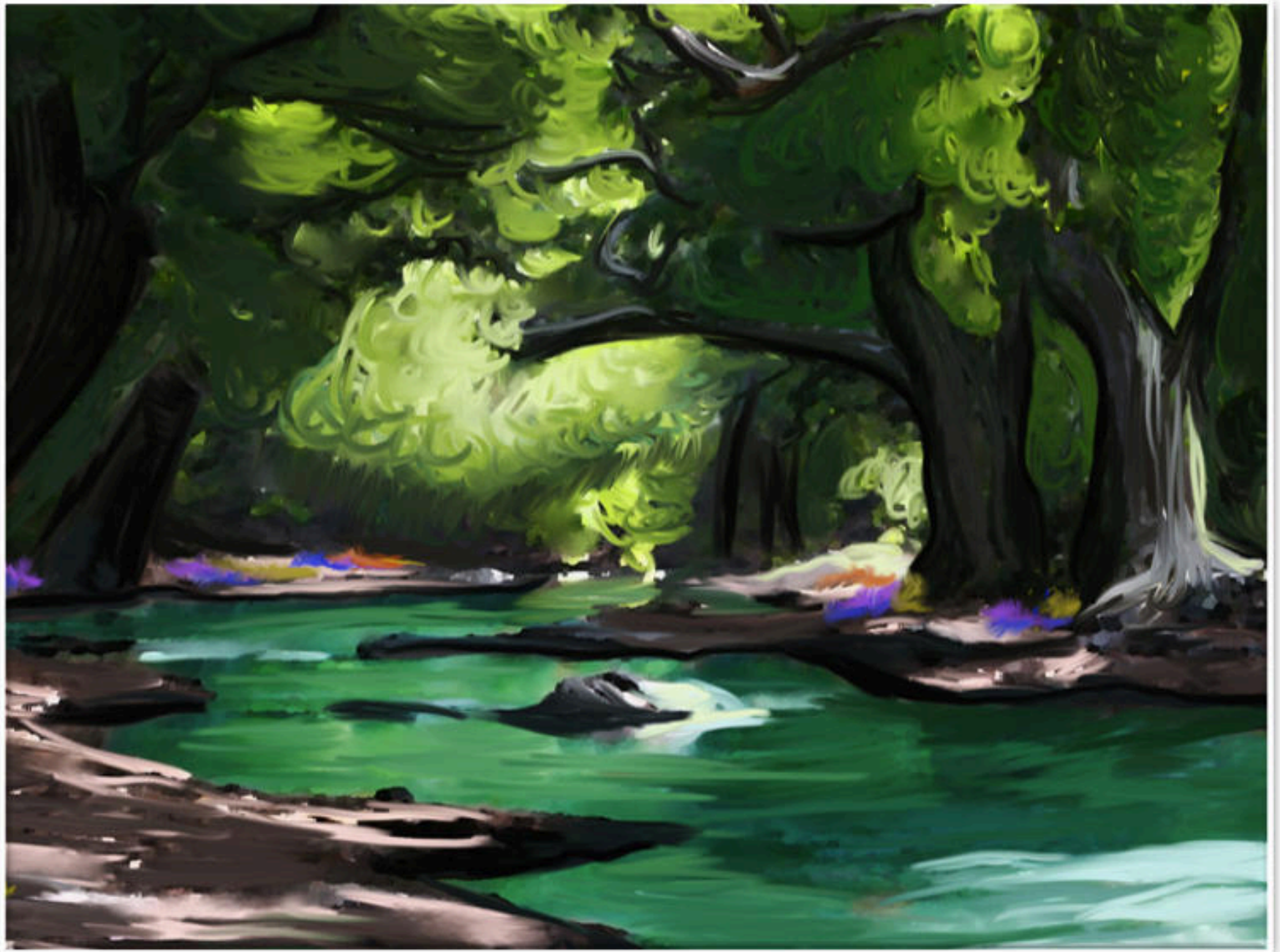
परमेश्वरेइ बोलौ कि, औशियाळौ औउ
तै औशियाळौ उवौ। परमेश्वरेइ
औशियाळौ इनारै कौइ अलग कियौ।
परमेश्वरेइ औशियाळे खि दुसै औज़ि
इनारेखि रात बोलौ। एशेशै कौइ
औगौणिकै रौ दूस पुरौ उवौ।



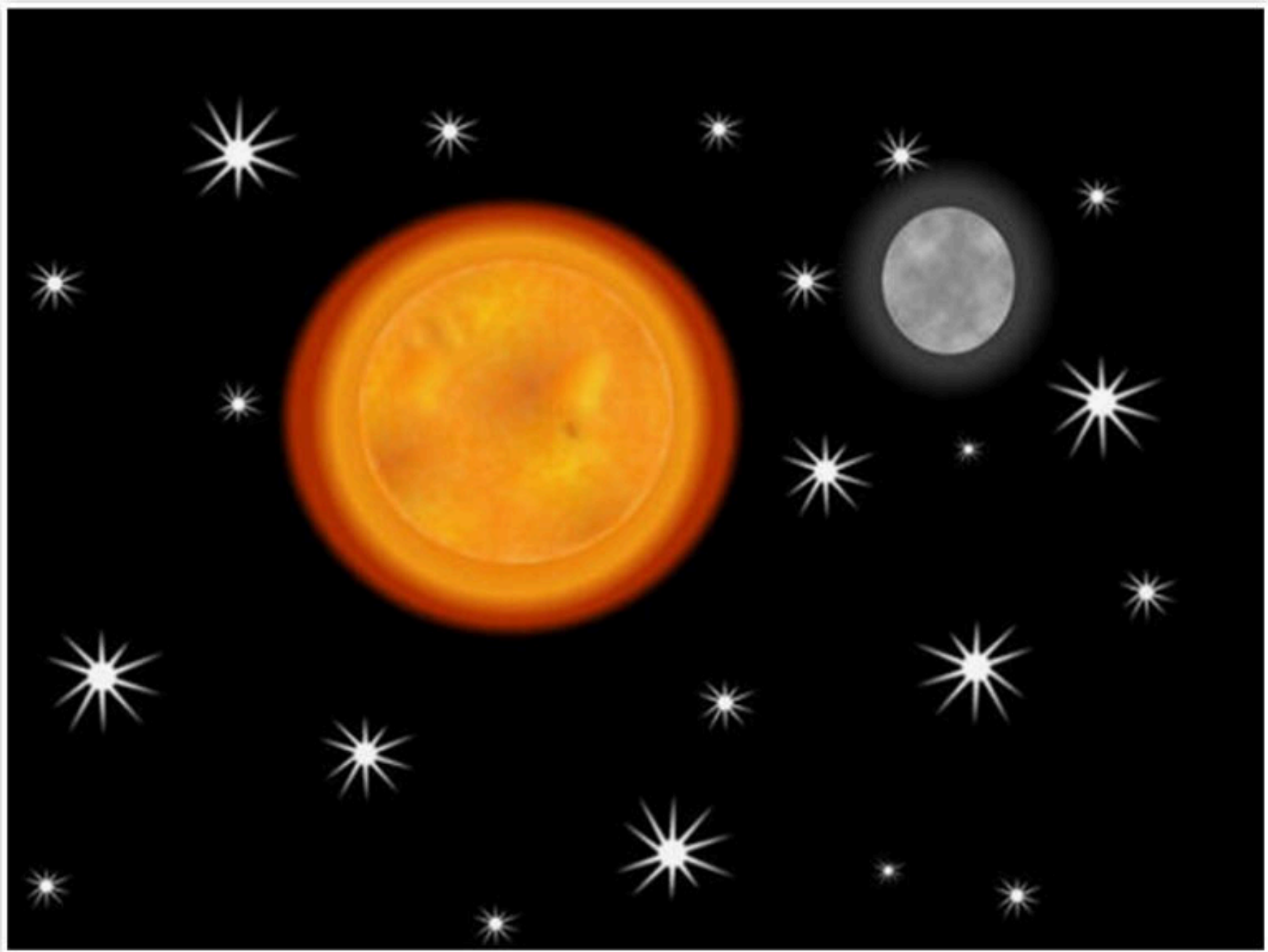
औज़ि परमेश्वरेइ पाणि दुइ पौशै बांटौ ।
पाणि कौइ उबै रै इंसेखि गौइण बोलौ ।
एशेशै कौइ दुजौ दूस बी पुरौ उवौ ।



परमेश्वरेइ पाणि एक ज़ागा दी कौट्टौ
कियौ। औज़ि कौट्टै कियौन्दै पाणि खि
समुन्द्र बोलौ। औज़ि शुकी ज़ौमीन खि
दौरती बोलौ।



तैबै परमेश्वरेइ शुकी दौरती दि गास,
औज़ि बीज वाळै पौदै, औज़ि फळ वाळै
पेड़ चाणै। औज़ि सारै फल देणनै वाळै
पेड़ पौदै ज़ौमायै एशेशै कौइ चिजौ दूस
बी पुरौ उवौ।



तैबै परमेश्वरेइ गौइणी दि दुइ बौड़ै आशै
चाणै। एक दुसेखि राज़ कौरने खि चाणौ
औज़ि दुजौ रातिखि। औज़ि तारै बी चाणै,
तै चोथौ दूस बी पुरौ उवौ।



परमेश्वरेइ गौइणी दि उड़ियाणै वाळै
चौड़कुड़ै चाणें। औज़ि पाणि माइं रै सारै
जीब जन्तू बी चाणें। तै तिउंवारि बोलौ
गौइणी दि, औज़ि पाणि माइं डैऔ। एशेशै
कौइ पांचुवौ दूस बी पुरौ उवौ।



परमेश्वरेइ गौरेलू ज़ानबर औज़ि ज़ांगळी
ज़ानबर बी चाणै। औज़ि दौरती दि
जुइड़ाणै औज़ि तौमसुणै वाळै ज़ानबर बी
चाणै। तैबै परमेश्वरेइ माणूछ आफुइ
बाशि चाणौ। तिउंखि मौर्द औज़ि छेउड़
बोलौ, औज़ि छौटुवौ दूस बी पुरौ उवौ।



एशेशै कौइ परमेश्वरेइ छौ दुसेदि सारि
दुनिया चाणीं। तैबै सातुवै दुसै परमेश्वरेइ
आराम कियौ। सेजै दुसेखि परमेश्वरेइ
आशिश देणी, औजि पबित्र बोलौ। एशेशै
कौइ परमेश्वरेइ पुरी दुनिया चाणी।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.